

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी उदयपुरवाटी जिला झुन्झुनू (राज.)

पीठासीन अधिकारी :- श्री रामसिंह राजावत (आर.ए.एस.)

मुकदमा संख्या:- 96/2022

दर्ज दिनांक 21.11.2022

जी सी एम एस न० 2022/1000

निर्णय दिनांक 23.12.2022

लीलाधर पुत्र रिछपाल उम्र 48 वर्ष जाति मेघवाल, निवासी दीपपुरा तहसील उदयपुरवाटी, जिला झुन्झुनू।

प्रार्थी

बनाम

तहसीलदार तहसील उदयपुरवाटी, जिला झुन्झुनू राज्य राजस्थान।

अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र अं० धारा 136 राज० भू राजस्व अधिनियम 1956

निर्णय

दिनांक 23.12.2022

प्रार्थी ने जरिये अधिवक्ता प्रार्थना पत्र मय शपथ पत्र अन्तर्गत धारा 136 भू-राजस्व अधिनियम इस आशय का पेश किया है कि ग्राम दीपपुरा पटवार हल्का ककराना के खाता संख्या 268 के खसरा न. 313, 316 कुल खसरा 2 का रकबा क्रमशः 0.1100, 2.7000 है० कुल रकबा 2.8100 है० स्थित है, जिसमें प्रार्थी 1/30 हिस्से का खातेदार काश्तकार है, जिसे आगे प्रार्थना पत्र में उक्त खसरा की भूमि को विवादित भूमि के नाम से सम्बोधित किया गया है। प्रार्थी की खातेदारी भूमि में उसका नाम लीलाराम पुत्र रिछपाल दर्ज है, जबकि प्रार्थी का सही नाम लीलाधर पुत्र रिछपाल है। प्रार्थी का अपने सभी दस्तावेज में सही नाम लीलाधर पुत्र रिछपाल अंकित है केवल मात्र विवादित भूमि में ही प्रार्थी का नाम लीलाराम गलत दर्ज हो गया है, जिसको दुरुस्त करने बाबत प्रार्थना पत्र पेश करना आवश्यक हुआ है। गांव दीपपुरा में रिछपाल मेघवाल के लीलाराम का कोई पुत्र नहीं है, बल्कि लीलाराम व लीलाधर एक ही व्यक्ति के दो नाम हैं। प्रार्थी का विवादित भूमि में लीलाराम नाम अंकित है तथा अन्य सभी सरकारी दस्तावेजों में उसका नाम लीलाधर पुत्र रिछपाल अंकित है, जिस कारण प्रार्थी राजकीय लाभ अनुदान कृषि ऋण भी नहीं ले सकता है। अतः प्रार्थी का नाम लीलाराम पुत्र रिछपाल के बजाय लीलाधर पुत्र रिछपाल किया जाना प्रार्थनीय है। अतः प्रार्थना पत्र मय शपथ पत्र पेश कर निवेदन है कि ग्राम दीपपुरा पटवार हल्का ककराना तहसील उदयपुरवाटी के खाता संख्या 268 जिसके वर्तमान खसरा न. 313, 316 रकबा क्रमशः 0.1100, 2.7000 है० कुल रकबा 2.8100 है० में प्रार्थी का गलत नाम लीलाराम पुत्र रिछपाल के बजाय लीलाधर पुत्र रिछपाल किया जाना प्रार्थनीय है। प्रार्थना पत्र दर्ज किया जाकर अप्रार्थी की तलबी वास्ते जबाबदेही तय की गई।

अनावेदक तहसीलदार ने आदेशिका में जवाब पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थी के दस्तावेजों के अनुसार नाम शुद्ध किया जाता है तो कोई आपत्ति नहीं है।

अलफ

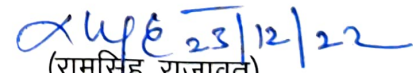


बहस प्रार्थना पत्र अ० धारा 136 एल. आर. एक्ट पर श्रवण की गई। बहस के दौरान वकील प्रार्थी ने प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा कथन किया कि ग्राम दीपपुरा पटवार हल्का ककराना के खाता संख्या 268 के खसरा न. 313, 316 कुल खसरा 2 का रकबा क्रमशः 0.1100, 2.7000 है० कुल रकबा 2.8100 है० स्थित है, जिसमें प्रार्थी 1/30 हिस्से का खातेदार काश्तकार है। प्रार्थी की खातेदारी भूमि में उसका नाम लीलाराम पुत्र रिछपाल दर्ज है, जबकि प्रार्थी का सही नाम लीलाधर पुत्र रिछपाल है। प्रार्थी का अपने सभी दस्तावेज में सही नाम लीलाधर पुत्र रिछपाल अंकित है केवल मात्र विवादित भूमि में ही प्रार्थी का नाम लीलाराम गलत दर्ज हो गया है, जिसको दुरुस्त फरमाया जाना प्रार्थनीय है।

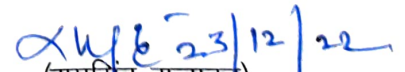
पत्रावली एवं उपलब्ध दस्तावेजात का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया तथा बहस पर मनन किया गया। ग्राम दीपपुरा पटवार हल्का ककराना के खाता संख्या 268 के खसरा न. 313, 316 कुल खसरा 2 का रकबा क्रमशः 0.1100, 2.7000 है० कुल रकबा 2.8100 है० स्थित है, जिसमें प्रार्थी 1/30 हिस्से का खातेदार काश्तकार है। प्रार्थी की खातेदारी भूमि में उसका नाम लीलाराम पुत्र रिछपाल दर्ज है, जबकि प्रार्थी का सही नाम लीलाधर पुत्र रिछपाल है। प्रार्थी का अपने सभी दस्तावेज में सही नाम लीलाधर पुत्र रिछपाल अंकित है केवल मात्र विवादित भूमि में ही प्रार्थी का नाम लीलाराम गलत दर्ज हो गया है जिसको प्रार्थी राजस्व रिकार्ड में दुरुस्त करवाने का अधिकारी है उक्त विवेचन के अनुसार प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित व न्यायोचित प्रतित होता है

आदेश

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अ० धारा 136 एल. आर. एक्ट स्वीकार किया जाता है कि ग्राम दीपपुरा पटवार हल्का ककराना के खाता संख्या 268 के खसरा न. 313, 316 कुल खसरा 2 का रकबा क्रमशः 0.1100, 2.7000 है० कुल रकबा 2.8100 है० की भूमि के राजस्व रिकार्ड में प्रार्थी का नाम लीलाराम पुत्र रिछपाल के बजाय लीलाधर पुत्र रिछपाल शुद्ध/ दुरुस्त किये जाने का आदेश दिया जाता है। तदनुसार तहसीलदार उदयपुरवाटी राजस्व रिकार्ड में नाम दुरुस्त करें। उक्त खसरा नम्बरान के शेष इन्द्राजात बदस्तुर रहेंगे।


(रामसिंह राजावत)
उपखण्ड अधिकारी
उदयपुरवाटी

निर्णय आज दिनांक 23.12.2022 को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(रामसिंह राजावत)
उपखण्ड अधिकारी
उदयपुरवाटी